# 24. १००८ श्री महावीर स्वामी

यक्ष
गुह्यक

चिन्ह
सिंह

वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणी
सिद्धायिनी

## अर्घ

जल फल वसु सजि हिम-थार, तन-मन-मोद धरो।
गुण गाऊं भव-दधितार, पूजत पाप हरों॥
श्री वीर महा अतिवीर, सन्मति नायक हो।
जय वर्द्धमान गुण-धीर, सन्मति-दायक हो॥

ॐ ह्रीं श्री महावीर जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

आषाढ़ शुक्ला-६

गर्भकल्याणक

चैत्र शुक्ला-१३

जन्मकल्याणक

मार्गशीर्ष कृष्णा-१०

तपकल्याणक

वैशाख शुक्ला-१०

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री सिद्धार्थ राजा
माता: प्रियकारिणी ( त्रिशला )
मोक्ष स्थान श्री पावापुरी जी

कार्तिक कृष्णा-१५

मोक्षकल्याणक